Question bank- 2026-27
Subject- Hindi
Std - VII

Goyal brothers publication (वाणी- हिंदी पाठमाला 7)

पाठ -1 ऊंचाई

शब्दार्थ

पारस - स्पर्श
दरस - दर्शन
आरोहियों- पर्वत पर चढ़ने वालों
आमंत्रण- बुलावा , निमंत्रण
नीड- घोंसला
परिवेश- माहौल , वातावरण
पृथक- अलग
एकांकी- अकेला
ठूंठ-सा- बिना डाल पात का सूखा पेड़ या उसका तना
औरों- दूसरों

बातों बातों में-

1) कवि ने ऊंचाई के बारे में क्या कहा है?

उ) कभी कहते हैं कि उस ऊंचाई का क्या लाभ जिससे किसी को कोई फायदा ना हो और ना ही वह किसी और के सुख का कारण बने ।

2) गौरैया और आरोही के माध्यम किस सत्य को उजागर किया गया है?

उ) गौरैया जीवन का प्रतीक है और आरोही सफलता का प्रतीक है। ऊंचाई पर जीवन का पाना मुश्किल है किंतु अपनी सफलता को सिद्ध करने के लिए ऊंचाई आवश्यकता है।

3) कवि ने किसे पहाड़ की मजबूरी माना है और क्यों?

उ) शून्य में अकेले खड़े होने को कवि ने पहाड़ की मजबूरी माना है क्योंकि वह वहां से चाह कर भी हिल नहीं सकता है।

4) कवि ने ऊंचाई के साथ विस्तार को जरूरी क्यों कहा है?

उ) ऊंचाई के साथ बिस्तर का होना जरूरी है क्योंकि सिर्फ ऊंचाई की कोई अहमियत नहीं होती जिससे किसी दूसरे को लाभ न हो ऐसी कामयाबी का कोई काम नहीं है जिसे देखकर दूसरे के मन में हैं भाव से भर जाएं ऐसे दर्शन के कोई लाभ नहीं है अतः ऊंचाई के साथ विस्तर का होना भी जरूरी है।

5) हर भार को स्वयं ढोता है । पंक्ति के माध्यम से कई क्या कहना चाहते हैं?

उ) हर भार को स्वयं ढोने से कवि का आश्रय यह है कि व्यक्ति जैसे तैसे सफलता की सीढ़ी चढ़ना जाता है वैसे-

वैसे ही अपनों से दूर होता चला जाता है वह धीरे-धीरे अकेला पड़ जाता है उसके मन के बोझ अकेले ही ढोता है किसी से बात नहीं सकता ।

लिखिए

1) आरोहियों को कौन आमंत्रित करता है और क्यों ?
उ) आरोहियों को ऊंचा पर्वत आमंत्रित करता है क्योंकि यह सफलता की पहचान है।

2) कवि ने ऊंचे पहाड़ की तुलना कैसे व्यक्तियों से की है?
उ) कवि ने ऊंचे पहाड़ की तुलना ऊंची पदवी में नियुक्त लोगों से की है।

3) केवल ऊंचाई काफी नहीं होती।- पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या कहने का प्रयास किया है ?
उ) केवल ऊंचाई ही काफी नहीं होती कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि कई का मानना है ऊंचाई के साथ-साथ विस्तार की आवश्यकता है ऐसी ऊंचाई किसी काम की नहीं जिसे देखकर अन्य लोग हैं भावना से भर जाए।

4) ऊंचे पहाड़ पर गौरैया और बटोहियों को क्या-क्या सुविधा होगी ?
उ) ऊंचे पहाड़ पर गोरी और बटोहियों को अपना बसेरा बनाने और खाद्यान्न की तलाश करने में सुविधा होगी।थकेहरे बटोहियों को आश्रय और भोजन की असुविधा होगी।

5) ऊंचाई कविता से आपको क्या प्रेरणा मिली?
उ) इस कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि केवल ऊंचा होना या ऊंची पदवी पर रहना जरूरी नहीं है साथ में विस्तार भी होना जरूरी है । उसे पद का क्या लाभ जो अपनों के ही काम ना आए।

पाठ 2 एक तकनीक ऐसी भी

शब्दार्थ

भंडार- कोष , खजाना
कृत्रिम- बनावटी , नकली
प्रकाश संश्लेषण- एक प्रक्रिया जिसमें पत्ते सूर्य की रोशनी में भोजन बनाते हैं।
कारगर- असर करने वाला
उत्प्रेरक- रासायनिक गति
झिल्ली- एक पतला और पारदर्शक आवरण
संग्रहित- जमा किया हुआ।

बातों बातों में-

1) नयनतारा को बस से उतरते वक्त किसी गड़बड़ी का एहसास हो गया?

उ) बस से उतरते ही नयनतारा को गड़बड़ी का एहसास हो गया भारी सलेटी सी हवा उसकी आंखों नाक कान और मुंह में समा जाती है।

2) उसे दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक कितना था?

उ) उसे दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक 463 था । जबकि सामान्यतः 50 से 100 तक होना चाहिए था।

3) प्रशासन का क्या आदेश हुआ?

उ) प्रशासन का आदेश था कोई भी अपने घर से बाहर न निकले।

4) नयनतारा और अलाइजा क्यों खुश नहीं थी ?

उ) उन्होंने पार्क में फुटबॉल खेलने का कार्यक्रम बनाया था किंतु प्रशासन के आदेश के कारण उन्हें घर पर ही बैठना पड़ा इसीलिए दोनों खुश नहीं थी।

5) खाते-खाते अचानक नयनतारा और अलाइजा ने किस बारे में बात शुरू की?

उ) अचानक दोनों के मन में ख्याल आया क्यों ना बे अपना एक नया कृत्रिम पत्ता बनाएं जो सिर्फ ऑक्सीजन ही छोड़ना हो इस तरह उनके पास भी ताजी हवा का भंडार होगा ।

लिखिए

1) वायु गुणवत्ता सूचकांक द्वारा क्या मापा जाता है?

उ) वायु गुणवत्ता सूचकांक द्वारा हवा की शुद्धता मापी जाती है।

2) अलाइजा ने क्या सपना देखा?

उ) अलाइजा ने सपना देखा कि वह पेड़ों पर एक छोटे से घर में रहती है जहां चारों ओर ताजी और स्वच्छ सेऑक्सीजन से भरपूर हवा है।

3) प्रकाश संश्लेषण क्या है?

उ) एक प्रक्रिया जिसमें पत्ते सूर्य की रोशनी में भोजन बनाते हैं उसे प्रकाश संश्लेषण कहते हैं।

4) अलाइजा और नयनतारा क्या बनाने की कोशिश कर रही थी?

उ) दोनों कल्पना में कृत्रिम पत्तों से भरा एक ऐसा जंगल बनाना चाहती थी जो लगातार बस ताजी ऑक्सीजन देता रहेगा सुबह-शाम ताकि दुनिया सांस ले सके।

5) क्या कृत्रिम पेट बना लेने से प्रदूषण की समस्या काम हो सकती है?

उ) हां कृत्रिम पत्ता बना लेने से दुनिया में ईंधन की खपत कम होती है जिससे कि प्रदूषण की समस्या काफी हद तक काम हो सकती है।

पाठ -3 सतकर्तव्य

<u>शब्दार्थ</u>

जग - संसार
सचार-चेतन गतिमान
अचर - जड़ गतिहीन
कर्म निरत- कर्म में लगे हुए
धुन - किसी एक कार्य में लगे रहने की प्रवृत्ति लगन
व्रत- संकल्प निश्चय
आतप- धूप गर्मी
वसुधा- धरती पृथ्वी
तुच्छ - छोटा
स्वकर्म- अपना कार्य
तत्परता- मुस्तैदी कार्य विशेष में लगे रहने का भाव
सोम- चंद्रमा
सुधा- अमृत
निष्क्रिय- क्रिया रहित
नितांत- बिल्कुल एकदम
तृण- तिनका
अमित-सीमाहीन
विलासित- शोभित वैभव युक्त
सतत- लगातार
विवश- लाचार
उऋण- ऋण मुक्त होना

बातों बातों में

1) कवि के अनुसार कौन-कौन कर्म में लगे हुए हैं?
उ) कवि के अनुसार जग में सभी चर अचर अपने-अपने कर्म में लगे हुए हैं।

2) कवि ने जड़ और चेतन की क्या विशेषताएं बताई हैं?
उ) कवि कहते हैं इस संसार में जड़ और चेतन सभी अपने-अपने कार्य में व्यस्त हैं सभी अपना-अपना कम कर रहे हैं।

3) तृण के लघु जीवन का क्या उद्देश्य है?
उ) तृण के लघु जीवन का उद्देश्य है कि वह आखिर तक अपना काम करें मिट्टी को जकड़ कर रखना

उसका उद्देश्य है और वह सूखने तक अपना यह कर्म निर्वाह करता है।

4) हम अपने देश को महान बनाने के लिए क्या कर सकते हैं?
उ) हमें हमेशा अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए अपने परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना चाहिए और उसका पालन करना चाहिए।

5) सत्कर्तव्य कविता के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिए हैं और क्यों?
उ) इस कविता के माध्यम से कवि ने मनुष्य को अपनी जन्मभूमि के प्रति अपने कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित किया है कविता से हमें प्रेरणा मिलती है कि अपने मातृभूमि के प्रति हमारे कुछ कर्तव्य हैं उनका पालन हमें पहले करना चाहिए।

लिखिए

1) मनुष्य के सत्कर्तव्य क्या है?
उ) मनुष्य के सात कर्तव्य हैं वह अपने जन्मभूमि के प्रति कर्तव्यों का पालन करें जिस देश की मिट्टी में खेल कर बड़े हुए हैं जहां का अन्न जल ग्रहण किया है अपने सत्कर्मों द्वारा उस ऋण को चुकाने में अपना सारा जीवन लगा दें।

2) कौन अग जग में तुमसा स्वार्थ विवश है? इस पंक्ति में कवि ने मनुष्य को स्वार्थ दिवस कहा है क्यों?
उ) कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि मनुष्य स्वास्थ्य साधना में लगा हुआ है यह उचित नहीं है क्योंकि संसार में सारे जड़ एवं चेतन पदार्थ निस्वार्थ भाव से अपने-अपने कार्य में जुटे हैं फिर हम मनुष्य सर्वश्रेष्ठ होकर परोपकार की बजाय स्वार्थ साधना में क्यों लगे हैं।

3) कवि ने मनुष्य को किन गुणो से युक्त बताया है क्या आप कवि के बातों से सहमत हैं?
उ) कवि ने मनुष्य को अधिक बलवान बुद्धिमान और वैभव से युक्त बताया है।

4) यह कविता मनुष्य को कैसा जीवन जीने करने के लिए प्रेरित करती है और क्यों?
उ) यह कविता मनुष्य के अपने जन्मभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित करती है कविता से हमें प्रेरणा मिलती है कि अपने जन्मभूमि के प्रति हमारे कुछ कर्तव्य हैं और उनका पालन करना हमें चाहिए।

5) देश जाति में हम पर क्या उपकार किए हैं?
उ) देश जाति ने हमें अन्य जलवायु सूर्य कारण खाद्य आदि प्रदान कर हमें पाल पॉस्कर एक स्वस्थ जीवन दिया है तथा शिक्षा एवं संस्कृति के माध्यम से एक योग्य सुख में और उन्नत जीवन प्रदान कर हम पर अनेक उपकार किए हैं।

पाठ 6

लॉटरी

<u>शब्दार्थ</u>

जगत-संसार
प्रोग्राम-कार्यक्रम
खैरात-भीख
नाज बरादारी-किसी के नखरे सहन करना
विराट-उदास
सोहबत-संगत साथ
तज्वीड-सलाहफैसला
अंतरधान्य-गायबहो जाना
फतेह -जीत
प्रतिशोध-बदला
व्यग्र-परेशानव्याकुल
अंतर्यामी-मां की बात जानने वाला
उन्माद-पागलपन

बातों बातों में

1. विक्रम लॉटरी के रूपों का क्या करना चाहता था?
   विक्रम लॉटरी के रुपए से पूरा विश्व भ्रमण करना चाहता था।
2. लेखक और उसके मित्र ने लॉटरी टिकट खरीदने के लिए क्या किया?
   लेखक और उसके मित्र ने लॉटरी टिकट खरीदने के लिए अपने पुरानी दीमक लगी पुस्तकों को भेज दिया।
3. विक्रम के मित्र ने रुपए बैंक में जमा करने की क्यों सोची?
   विक्रम के मित्र के अनुसार बैंक में पैसे सुरक्षित रहते हैं बैंक में पैसे रहे तो उनके शोध के पैसे से वह अपनी जिम्मेदारियां पूरी करता और साथ ही एक पुस्तकालय खोलने का अपना सपना भी पूरा कर सकता था।
4. विवाह के संदर्भ में दोनों मित्रों के क्या विचार थे?
   विवाह के संदर्भ में दोनों मित्रों के विचार भिन्न थे विक्रम को लगता था विवाह करना यानी व्यर्थ की परेशानी मोल लेना है जबकि लेखक को लगता था कि विवाह करने के बाद जीवनसाथी सुख दुख में एक दूसरे का साथ देते हैं।
5. विक्रम ने अपने मित्र को प्रसन्नता का कारण क्या बताया?
   विक्रम ने अपने मित्र को बताया कि बहुत जल्द ही लॉटरी कीरकम मिल जाएगी और वह उसे अपने आधे आधे बांट लेंगे जिससे कि अपनी आधी रकम में वह अपने विश्व भ्रमण का सपना पूरा कर सकेगा।

लिखिए

1. विक्रम और लेखक ने लॉटरी का टिकट लेने के लिए क्या तरकीब लगे और क्यों?
   विक्रम और लेखक ने सोचा पुरानी किताबें जिन्हें दिमाग खा चुकी है उनका कोई भी इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है तो क्यों ना उसे बेचकर लॉटरी की टिकट खरीद ली जाए।

2. कुंती कौन थी और विक्रम ने उसे लॉटरी के टिकट के बारे में क्या बताया?
   कुंती विक्रम की छोटी बहन थी। विक्रम ने उसे कहा था कि इस बार अगर लॉटरी की टिकट की रकम हाथ में आ गई तो वह उसके लिए अच्छे गने बनवा देगा।
3. लेखक लॉटरी से मिलने वाले रूपों का क्या करना चाहता था?
   लेखक लॉटरी से मिलने वाले रूपों से एक पुस्तकालय खोलना चाहता था और बाकी बचे हुए पैसों को बैंक में रख देना चाहता था ताकि उसके सूट से वह अपने जिम्मेदारियां पूरी कर सके।
4. लॉटरी का दिन समीप आने पर अकारण लेखक को विक्रम पर क्या संदेह होने लगा और क्यों?
   लॉटरी का दिन समीप आने पर लेखक को विक्रम पर संदेह होने लगा विक्रम हमेशा लापरवाह रहता था और उसने कई बार इशारों इशारों में यह बताने की कोशिश करी थी कि वह लॉटरी की रकम पूरी तरह उसे देने को तैयार नहीं है और लॉटरी विक्रम के नाम पर थी ।
5. विक्रम डाकखाने से वापस आते हुए प्रसन्न क्यों था?
   डाकखाने से वापस आते हुए विक्रम को पता चल गया की लॉटरी की रकम भारत में किसी के नाम नहीं बल्कि अमेरिका में किसी व्यक्ति के नाम पर निकला है इसीलिए वह प्रसन्न था।

पाठ 7
समय का महत्व

<u>शब्दार्थ</u>
निरंतरता -लगातार
 दक्षता -निपुणता
समय भाव-समय का अभाव
आत्माविश्लेषण-स्वयं का विश्लेषण अपने बारे में छानबीन
दुहाई-अपने बचाव के लिए मिन्नत करना
आध्यात्मिक-आध्यात्मसंबंधी
मनीषी-विद्वानज्ञानी
निष्ठा-विश्वास श्रद्धा

बातों बातों में

1. हम अक्सर क्या शिकायत किया करते हैं?
   हम अक्सर शिकायत करते हैं कि समय के अभाव से हम अपना काम नहीं कर पाते हैं हम कसरत पर ध्यान नहीं दे पाते हैं और ना ही अपनी शिक्षा दीक्षा या फिर किसी को किसी पत्र का उत्तर देने में हमें विलंब होता है।
2. समय का सदुपयोग कैसे किया जा सकता है?
   समय का सदुपयोग करने के लिए सबसे पहले समय के महत्व को पहचानना बहुत जरूरी है समय को यदि हम सुनियोजित तरीके से अपने काम में लगे तभी हम समय का सदुपयोग कर सकते हैं।
3. क्या आप अपना सारा काम समय पर कर सकते हैं यदि हां तो उससे आपके जीवन में क्या लाभ हुआ है?
   हां यदि हम चाहे तो समय से अपना काम कर सकते हैं यदि हम समय को सही रूप से अपने कामों के लिए विभाजित करें तो हम अपना काम सही वक्त पर कर सकते हैं ऐसा करने से सबसे पहले हमें सफलता

की प्राप्ति होगी हमारा जीवन अनुशासित होगा और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

लिखिए

1. तन मन को स्वस्थ और सबल बनाने के लिए क्या करना चाहिए?
   यदि हम व्यायाम के लिए चिंतन के लिए और अध्ययन के लिए समय नहीं निकाल पाएंगे तो हमारा तन मन स्वस्थ और सफल नहीं बन सकेगा विषम परिस्थितियों में भी हम अपना संतुलन बनाए रखने के लिए समय पर कसरत और अध्ययन दोनों जरूरी है।
2. हम जीवन में क्या चाहते हैं?
   हम जीवन में सुख समृद्धि चाहते हैं।
3. वयस्कों की अपेक्षा किसके लिए समय पालन अति आवश्यक है और क्यों?
   वयस्कों की अपेक्षा विद्यार्थियों के लिए समय पालन अति आवश्यक है क्योंकि विद्यार्थी जीवन सबसे लंबा जीवन होता है जहां पर अनुशासन और सफलता दोनों एक साथ चलते हैं समय का सदुपयोग करना और उसका प्रबंधन करके अपने छात्र जीवन को आगे ले जाना ही विद्यार्थी का धर्म है तभी वह सफल हो पाएगा।
4. समय धन की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण है क्यों?
   धन एक बार खर्च होने के बाद पुनः वापस आ सकता है किंतु समय एक बार भी जाने के बाद वही समय वापस नहीं आता इसीलिए धन की अपेक्षा समय अधिक महत्वपूर्ण है।
5. समय विभाजन के अनुसार काम करने से क्या-क्या लाभ होते हैं?
   समय विभाजन के अनुसार काम करने से हम देखेंगे कि हमारे जीवन की व्यस्तता के बीच कितनी निश्चिंत्यता आ जाती है सभी काम सुचारू रूप से निश्चित समय पर अनायास होते चले जाते हैं कसरत के लिए आध्यात्मिक के लिए और अपने पठन-पाठन के लिए समय निकाल ही आता है और हम अधिक सक्षम बन जाते हैं।

पाठ-8
मत बांटो इंसान को

<u>शब्दार्थ</u>

उजियाला-प्रकाश
संदेश-खबर
वितान-विस्तार
हक -अधिकार
बहार-शोभा आनंद

बातों बातों में

1. मंदिर मस्जिद और गिरिजाघर ने भगवान को कैसे बांट दिया है?
   मंदिर मस्जिद और गिरजाघर ने भगवान को धर्म के नाम पर बांट दिया है।

2. इंसान को बांटने से आप क्या समझते हैं कविता के आधार पर बताइए।
   इंसान अपने स्वार्थ के लिए इंसान को कभी धर्म के लिए कभी अमीर गरीब पर कभी देश की सरहदों पर तो कभी अपने स्वार्थ के लिए एक दूसरे से लड़ाता जा रहा है।
3. कवि को क्यों लगता है कि लोगों के बीच हमें प्यार बांटना चाहिए?
   प्यार ही एक ऐसा माध्यम है जो द्वेष रुपी रेगिस्तान में पानी का काम करता है कवि का मानना है प्यार ही एक ऐसा जरिया है जो धर्म को नहीं बनता है जो जाति को नहीं बनता है और ना ही व्यक्ति को उसके देश और उसके वर्ण के लिए बनता है प्यार अमीर गरीब में भेदभाव नहीं करता है।
4. कवि के अनुसार कौन किसको नहीं रोंद पाएगा?
   कवि के अनुसार अगर सभी को समान अधिकार मिलेंगे तो सभी खुश रहेंगे कोई भी परिस्थिति मौसम की मुस्कान को और गरीब के घर आई हुई खुशी को रौंद नहीं पाएगा।
5. प्रस्तुत कविता में कवि ने अपनी कि इच्छा को व्यक्त किया है?
   प्रस्तुत कविता में कवि चाहते हैं इंसान को इंसान से बांटना नहीं चाहिए सभी के मन में सभी के प्रति प्रेम हूं रही गरीब अमीर सबवे भावना हो सभी के मन में धर्म का वास धर्म के नाम पर कोई किसी को न बांटे।

<u>लिखिए</u>

1. उजियाला महलों में बंदी हर दीपक मजबूर है-पंक्ति केमाध्यम से कवि क्या कहना चाहता हूं?
   प्रस्तुत पंक्ति में कभी उस रिश्ता को झलका ना चाहते हैं जहां परमवीर गरीब का धेधा है अभी रुको सारी सुविधाएं हैं किंतु गरीबों को कोई भी सुविधा नहीं है ।
2. चट्टान की प्यास कैसे बुझाए जा सकती?\
   चट्टान की प्यास प्रेम के पानी से बुझाई जा सकती।
3. कवि ने किस समानता की बात की है और क्यों?
   कवि ने अमीर गरीब के बीच कोई सुविधा हो ना हो सभी सभी को उचित सुविधा मिले तभी खुश रहें और सभी मिलकर रहे तभी जाकर इस देश में समानता की परिस्थिति होगी।
4. प्यार का जल किसे देने की बात कही जा रही है?
   भेदभाव और द्वेष के भूखे मरुस्थल को प्यार काजल देने की बात कही गई।